Author:lovestoryinhindi
lovestoryinhindi.com

_काश_की_वो_मुझे_मलि_पाती_या_काश_की_मै_उस_?_सच्ची_प्रेम_कहानी

लब्जो ही लब्जो ही मे वो अपनी ही लब्ज सुना जाती काश की मै आपकी हो पाती
बात उस समय की है जब मै वर्ग ६ मे पढ़ता था उस समय मै काफी नटखट हुआ करता था लो पर आज देख लो मै उस दुनयिा को बहुत ही पछिे छोड़ आया हु पड़ आज ऐसा क्यो लग रहा है की मै उसकी दुनयिा मै वापस लोट जाऊ मेरा नटखट पन दोस्तो की दोस्ती या कुछ ओर मै समझ नहीं पा रहा मै कुछ समझ नहीं आ रहा है की मै अपनी बीतिहुऐ ज़दिगी मै कैसे वापस लोट जाऊ कास की कोई रास्ता होता ओर मै अपनी भूली बसिरी ज़न्दिगी मे लोट जाऊ आब तो बस यादों का एक ढ़ेर सा रह गया है मेरी ज़न्दिगी मे मै चाह कर भी अपनी भूली बसिरी ज़न्दिगी मे नहीं लोट सकता पर मे अपनी ये यादों का क्या करू जशि मै भुला ही नहीं पा रहा हु मै अभी तक उस इंसान का जीक्र ही नहीं कयिा मै अपनी ज़न्दिगी का हर लम्हा तो भूल सकता हु पर उस लड़की को कशे भूल जाऊ याद है मुझे जब मै उस को पहली वार देखा था तो मै उसे देखता ही रह गया पता नहीं मैंने उस मे क्या देखा या मुझे उस मै क्या दखिा मै नहीं जनता पर इतना जरूर जनता हु की मै उस से कभी भूल नहीं पाऊगा ओर न ही मै उस स्कूल को भी भूल पाऊगा अब सुरू हुई कहानी उस लड़की की जसिे मै प्यार करता हु अच्छे से याद है मुझे ओ दनि जब मेरे कशिकिारण वास उसे टचिर से डाट पड़ी मै वो दनि कैसे भूल सकता हु अब तो मुझे अपने आप पर बहुत ही आधकि गुस्सा होने लगा फरि दूसरे दनि वो स्कूल नहीं आई तो मुझे बहुत ही अफसोच हुआ पता नहीं मुझे क्यू ऐसा लगने लगा की मै ने कोई बहुत बरा जुर्म कर दयिा हु उस दनि मेरा मन स्कूल मै नहीं लग रहा था अपने आप मे मै बहुत आधकि गलि्टी फ़लि कर रहा था मुझ से रहा नहीं गया तो मै उस के दोस्त से पूछा की आज तुम्हारी दोस्त क्यो नहीं आई तो उस ने कही आज उसे बुखार है मै तो दंग रह गया चोथेदनि जब वो स्कूल आई तो वो मुझसे कुछ नहीं कही मै समझ गया की वो मुझ से गुस्सा है पर मै क्या करता अचानक टफ़िनि हो गई जसि वक्त मै क्लास रूम मै था तो उस वक्त सर्फि वो ही थी मरे क्लासरूम मै मैंने बोला क्या तुम अपना केमस्टि्री का फैयर लाई हो तो उस ने गुस्से मे मुझ से कहा की तुमको मेरे फैयर क्या मतलब मैंने कहा ठीक है कोई बात नहीं आचनक वो क्लासरूम से बाहर नकिल गई मै क्लासरूम मै अकले था मेरे मन को पता नहीं क्या हुआ मैने उसका स्कूल बैग देखा तो दंग सा रह गया क्यो की उस ने मुझ से छुपा के मेरी कुछ यादों को बहुत ही आधकि समहाल कर रखी हुई थी मै उस से क्या कहता मै उस ने जब की वो केमस्टि्री का फैयर नहीं लाए है तो मेरा मन नहीं माना तो मै ने आफ़्ना ही केमस्टि्री का फैयर उस के बैग मै रख दयिा अचानक टफ़िनि की छुट्टी खतम हुई केमस्टि्री के टचिर आये ओर बोले चलो तुम लोग अपने अपने केमस्टि्री का फैयर नकिाल लो शायद उसे याद नहीं था की केमस्टि्री का फेयर नहीं लाई है उसने आपने बैग देखा तो उस मै उसे एक एक्सट्रा कॉपी मलिी उसने उस नकिली इतने मे उस से केमस्टि्री के टचिर ने ओ कॉपी ले ली फैयर का कॉपी देख टचिर ने उसे कुछ नहीं कहे अब मारी बारी आने वाली थी मै क्या करता मजबूरन मुझे केमस्टि्री के टचिर से डाट सूनना पड़ा पर मर नहीं पड़ी सारे बच्चे स्कूल से नकिाल चुके थे वो भी स्कूल के कैम्पस से नकिाल कर बाहर मे खड़ी थी मै भी स्कूल से नकिाल ही रहा था की मेरी नजर उस पे परी वो आखे भरी स्कूल के केम्पस खड़ी मलिी तो मुझ से रहा नहीं गया तो मैंने उससे कहा क्या हुआ क्या हुआ तो उसने गुस्से से मेरा हाथ पकड़ कर ऐक ओर ले के चली गई ओर रोने लगी मै तो काफी आधकि डार गया पता नहीं इसको क्या हो गया मैंने उस से पूछा क्या हुआ मुझसे कोई गलती हो गई है क्या वो मेरी कुछ सुनने को तैयार ही नहीं थी मै क्या करता मैंने गुस्से से पूछा क्या हुआ तो उस ने बोली तुम ऐसा कयिो कयिा मै ने पूछा क्या कयिा मैंने तो उस ने बोली तुम आफ़्ना केमस्टि्री का कॉपी मेरे बैग मे क्यो रख दयिा आब मै क्या कहता मै चुप हो सा गया मैंने कहा सोर्री गलती हो गई उस ने मुझे मेरा कॉपी दे दिओर बोली तुम को आब मै क्या कहु फरि वो आपने घर को जाने लगी आचनक क्या हुआ फरि ओ मेरे पास आ गई बोली थैंक्स तुम ने जो आज मुझे बचा लयिा फरि वो अपने घर को चली गई पता नहीं क्यो मुझे लगाने लगा की ओ मुझसे प्यार करने लगी है पर मै कुछ कहने से डरता था अब हम दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो चुकी थी |
अब हम दोनों के बीच कुछ ऐसा हो गया था की अगर रववाार को स्कूल बंद भी हो जाता तो मै सोचते स्कूल क्यो बंद हो गया है |
एक दनि स्कूल मे उसे देखे बनिा मन को चेन नहीं मलि पाती या आप यू कह लो मन को शांतिनहीं मलिती |
जब मुझे पता चला की मै घर जा रहा हु तो मै रो पड़ा क्योकिकोई मेरा मुझ से छूट रहा था

पर अब इन सब बातो का क्या फयिदा आचनक कुछ ऐसा हुआ की मुझे हॉस्टल छोड़ना पड़ा ओर मै आपने घर को चला आया मै उसे बाय भी नहीं कह पाया
मै उसका नाम तो भूल गया पर उसका चेहरा नहीं भुला पाया हु |

वही खुली हुई बाल आखों पे चस्मा |
आज तक मै उस लड़की को नहीं भूल पाया हु न ही उस लड़की को भूल पाऊगा |
उस समय मै क्लास ६ मे पढ़ रहा था ओर मै आज क्लास बी॰ए पढ रहाहु
ज़िन्दगी मे ज़िदा रहने के लिये किसी की याद ही काफी है किसी से प्यार करो न की उसे बदनाम करो
मै राहे देखूगा कब मै उसे मिल पाउगा पता नहीं ओ मिल भी पयेगी या नहीं काश की वो मुझे मिल पाती या काश की मै उस से मिल पाता काश की वो मुझे मिल पाती या काश की मै उस से मिल पाता